XXI Research Advisory Committee (RAC) meeting of ICAR-CIRC, Meerut held on 08th September 2021

The XXI Research Advisory Committee (RAC) meeting of ICAR-CIRC, Meerut was conducted on 8th September 2021. Considering the COVID-19 pandemic situation, the meeting was conducted through a hybrid mode. Dr. V. K. Taneja, former Vice-Chancellor, GADVASU, Ludhiana & former DDG (Animal Science) and the Chairman of RAC presided over the meeting. The RAC members namely Dr. Arjava Sharma, Former Director NBAGR, Karnal, Dr. V.K. Saxena, ADG (AP&B), ICAR attended the meeting physically, however, other members Dr. Kripal Singh, Former Director, ICAR-CIRC, Dr.J. R. Rao, Retd. PS & Head, Dr. Dhinakar Raj, TANUVAS, Dr. H. K. Verma, Director (Extension), GADVASU and Dr. Dharmendra Singh, Member RAC & farmer representative participated in the meeting online. Besides this, all Heads of Division and scientists participated in the meeting.

The proceeding of day was started with plantation of tree saplings and visit to Bull Rearing Unit.

Dr. Abhijit Mitra, Director of the Institute extended a formal welcome and made a presentation on major research achievements and other activities undertaken by the institute. Dr. Mitra also emphasized the future initiatives in developing a National Genetic Evaluation System (NGES), exploitation of science of Omics- Genomics & Phenomics and diversified use of cattle other than milk.

In his opening remarks, Dr. V. K. Taneja, Chairman, RAC appreciated the Scientists and Director for the significant achievements made in evolving the Frieswal™ national breed of cattle. He wished that the Institute should extend its activities at the pan India level to improve its visibility. RAC raised its concern on the non-availability of land for the Institute and suggested necessary action on a priority basis.

Presentations on the achievements of the Divisions were made by the I/Cs of Cattle Nutrition and Management Dr. Rajendra Prasad, Cattle Genetics and Breeding Dr. Umesh Singh and Cattle Physiology and Reproduction Dr. S. Tyagi. The research activities and achievements of the projects were discussed in detail and necessary suggestions were made by the RAC. RAC urged to prioritize the research activities keeping in view of national priorities, manpower availability and budgetary constraints. It was emphasized that the Institute should take a leading role in developing a strategy of the cattle development program of the country and popularization of the institute activities and technologies through media and digital platforms.

The meeting ended with a vote of thanks proposed by Dr. Sushil Kumar, Member Secretary, RAC.

भाकृअनुप-केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान की 21वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

भाकृअनुप-केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ की 21वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक 8 सितंबर 2021 को आयोजित की गई। कोविद-19 महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बैठक हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. वी. के. तनेजा, पूर्व कुलपति, गडवासु, लुधियाना एवं पूर्व उप महानिदेशक (पशु विज्ञान) और अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने बैठक की अध्यक्षता की। अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. आर्जव शर्मा, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय पशु आनुवांशिक संसाधान ब्यूरो, करनाल, डॉ. वी. के. सक्सेना, सहायक महानिदेशक (पशु उत्पादन एवं प्रजनन), भाकृअनुप ने बैठक में भाग लिया, हालांकि, अन्य सदस्य डॉ. कृपाल सिंह, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, डॉ. जे. आर. राव, सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक और विभागाध्यक्ष, डॉ दिनाकर राज, तनुवास, डॉ. एच. के. वर्मा, निदेशक (विस्तार), गडवासु एवं डॉ. धर्मेंद्र सिंह, किसान प्रतिनिधि ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। इसके अलावा बैठक में संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

21वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा पौधरोपण और साँड पालन इकाई के भ्रमण के साथ हुई।

संस्थान के निदेशक डॉ. अभिजीत मित्रा ने औपचारिक स्वागत किया और संस्थान द्वारा की गई प्रमुख शोध उपलब्धियों और अन्य गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी। डॉ. मित्रा ने राष्ट्रीय आनुवंशिक मूल्यांकन प्रणाली विकसित करने, ओमिक्स- जीनोमिक्स और फेनोमिक्स के विज्ञान के दोहन और भविष्य में दूध के अलावा गोवंश के अन्य उपयोग हेतु पहल करने पर भी जोर दिया।

उद्घाटन भाषण में, अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष, डॉ. वी. के. तनेजा ने फ्रीजवाल राष्ट्रीय नस्ल के गोवंश को विकसित करने में की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए वैज्ञानिकों और निदेशक की सराहना की। उनकी इच्छा थी कि संस्थान अपनी दृश्यता में सुधार के लिए अखिल भारतीय स्तर पर अपनी गतिविधियों का विस्तार करे। अनुसंधान सलाहकार समिति ने संस्थान के लिए भूमि की अनुपलब्धता पर चिंता व्यक्त की और प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई का सुझाव दिया।

विभागों की उपलब्धियों पर पशु पोषण एवं प्रबंधन के प्रभारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन डॉ. उमेश सिंह एवं पशु शरीर क्रिया विज्ञान एवं प्रजनन डॉ. एस. त्यागी द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। अनुसंधान गतिविधियों और परियोजनाओं की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई और अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा आवश्यक सुझाव दिए गए। अनुसंधान सलाहकार समिति ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, जनशक्ति की उपलब्धता और बजटीय बाधाओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान गतिविधियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। इस बात पर जोर दिया गया कि संस्थान को देश के पशु विकास कार्यक्रम की रणनीति विकसित करने और मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संस्थान की गतिविधियों एवं प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

बैठक का समापन अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य सचिव डॉ. सुशील कुमार द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

Plantation by Dr. V. Taneja

Plantation by Dr. Arjava Sharma

Plantation by Dr. Vishesh Sexana

XXI Research Advisory Committee Meeting
8 September 2021
ICAR - Central Institute for Research on Cattle
Grass Farm Road, Meerut Cantt

XXI Research Advisory Committee Meeting
8 September 2021
ICAR - Central Institute for Research on Cattle
Grass Farm Road, Meerut Cantt

केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान